सं. ए-45011/3/2022-प्रशासन III
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
***

नई दिल्ली,20 मई, 2022

कार्यालय ज्ञापन

अधोहस्ताक्षरी को अप्रैल, 2022 माह के लिए आर्थिक कार्य विभाग के संबंध में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश के अवर्गीकृत भाग को इसके साथ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

अरूप श्याम

(अरूप श्याम चौधुरी)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष नं. 23095091

सेवा में,

1. केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली।
3. कैबिनेट सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
4. भारत के राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
5. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।
6. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली
7. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली।
8. नीति आयोग के सभी सदस्य, योजना भवन, नई दिल्ली।
9. सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।
10. राज्यमंत्री (वित्त) के निजी सचिव, वित्त सचिव के प्रधान निजी सचिव, सचिव (ईए) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (राजस्व) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (व्यय) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (दीपम) के प्रधान निजी सचिव।
11. श्री वी.अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
12. अपर सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
13. श्री मनोज सहाय, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (वित्त)।
14. श्री एएम बजाज, अपर सचिव (एफएम), आर्थिक कार्य विभाग
15. श्री रजत कुमार मिश्रा, अवर सचिव (बजट), आर्थिक कार्य विभाग।
16. श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
17. आर्थिक कार्य विभाग में सभी प्रभागों के प्रमुख।

वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार (सीएंडसी/एफएसएलआर/एफएसएंडसीएस)/संयुक्त सचिव (सी.एंड.सी और ओएमआई)/संयुक्त सचिव (बजट)/संयुक्त सचिव (आईपीपी/संयुक्त सचिव (आईएसडी)/संयुक्त सचिव (आईएनबी)/सभी सलाहकार/सीएएए

18. श्री राजेश मल्होत्रा, महानिदेशक (एम एंड सी), वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
19. गार्ड फाइल-2

ए-45011/3/2022-प्रशा.III
वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

***

विषय: अप्रैल, 2022 के महीने के लिए आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) से संबंधित महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश

I. महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. वृहद आर्थिक अवलोकन:

एक मजबूत विकास की गति ने 2021-22 की तीसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी को 2019-20 के पूर्व-महामारी तीसरी तिमाही आउटपुट का 106.2 प्रतिशत और पहली तीन तिमाहियों के संयुक्त उत्पादन को महामारी से पहले के स्तर के 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। ये अनुमान भारत की लचीली और मजबूत वसूली की संभावनाओं की पुष्टि करते हैं और भारत के मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों की गवाही देते हैं।

अप्रैल 2022 के दौरान जीएसटी संग्रह (मार्च लेनदेन को प्रतिबिंबित करने वाला) 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 20 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज करता है और महामारी से पहले के इसी स्तर की तुलना में 46.7 प्रतिशत अधिक है।

मुद्रास्फीति के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों और भू-राजनीतिक तनाव को तेज करने के कारण वैश्विक पीएमआई समग्र सूचकांक मार्च 2022 में घटकर 52.7 हो गया, जो फरवरी 2022 में 53.4 था।

2021-2022 के लिए, खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 5.5 प्रतिशत थी, जबकि 2020-21 में यह 6.2 प्रतिशत थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 2021-2022 में 12.9 प्रतिशत थी। 2021-22 में थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि का एक हिस्सा पिछले वर्ष में कम आधार के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है और आंशिक रूप से विश्व अर्थव्यवस्था में पलटाव और महामारी से संबंधित प्रतिबंधों को कम करने के कारण उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक मांग के पुनरुत्थान से प्रेरित है। रूस यूक्रेन संघर्ष के कारण आपूर्ति पक्ष व्यवधान ने भी हाल के महीनों में वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि दर्ज की है।

पीएमआई विनिर्माण के अनुसार भारत की विनिर्माण गतिविधि अप्रैल 2022 में ठीक हो गई और मार्च 2022 में 54 तक कम होने के बाद 54.7 पर रही, क्योंकि नई व्यवस्था और उत्पादन खरीद

गतिविधि में वृद्धि के साथ संयोजन के रूप में एक मजबूत गति से विस्तारित हुए। पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर देने के साथ आगामी महीनों में औद्योगिक गतिविधियों में सुधार होने की उम्मीद है।

मार्च 2022 में उद्योग को ऋण में 7.1 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि देखी गई। मध्यम उद्योगों ने मार्च, 2022 में 71.4 प्रतिशत की उच्च दोहरे अंकों की साल-दर-साल ऋण वृद्धि दर्ज की, इसके बाद सूक्ष्म और लघु उद्योगों द्वारा 21.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

पीएमआई सेवाएं फरवरी 2022 में 51.8 से मार्च 2022 में सुधरकर 53.6 हो गईं। सेवाओं के सुदृढ़ीकरण का श्रेय नई व्यवस्था में विस्तार, बेहतर मांग की स्थिति और बढ़े हुए व्यावसायिक विश्वास को दिया जाता है।

मार्च 2022 में, माल निर्यात का प्रदर्शन लचीला बना रहा, जिससे साल-दर-साल 19.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, माल का निर्यात 419.65 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा है, जो 2020-21 की तुलना में 43.8 प्रतिशत अधिक है, जो विश्व अर्थव्यवस्था में पलटाव से आंशिक रूप से लाभान्वित हुआ है।

निजी निवेश के संकेतक आईआईपी के पूंजीगत सामान सूचकांक में अप्रैल-फरवरी 2021-22 में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 18.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

वर्तमान तिमाही के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक आर्थिक गतिविधि में सुधार के संकेत को दिशा देते हैं क्योंकि नए मामलों में गिरावट के साथ ओमीक्रॉन प्रेरित प्रतिबंधों में ढील दी गई है। पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों से गुणक प्रभाव के माध्यम से विकास और रोजगार को अधिक बढ़ावा मिलेगा।

2. **महत्वपूर्ण विकास:**

(i) वित्त मंत्रालय की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट लोकसभा/राज्यसभा के सदस्यों के बीच परिचालित की गई थी।

(ii) निम्नलिखित के लिए राजपत्र अधिसूचनाएं जारी की गई हैं:

(क) "श्री गुरु तेग बहादुर जी की 400 वीं जयंती" के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए।
(ख) "दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष" के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए।
(ग) "श्री जवाहर लाल दर्डा की जन्मशती" के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए।

(iii) बहुपक्षीय और द्विपक्षीय विकास एजेंसियों के साथ निम्नलिखित करारों/ऋणों पर हस्ताक्षर किए गए थे:

(क) एडीबी के साथ 2.0 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि के लिए ऋण संख्या 6046-आईएनडी: नागालैंड शहरी अवसंरचना विकास परियोजना पर हस्ताक्षर किए गए थे।

(ख) एआईआईबी के साथ असम विद्युत वितरण प्रणाली संवर्द्धन और हानि न्यूनीकरण परियोजना के लिए 386 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि के लिए ऋण पर हस्ताक्षर किए गए थे।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) अधिनियम, 2019 से संबंधित निम्नलिखित नियमों/विनियमों/योजनाएं जारी की गई हैं:

(क) आईएफएससीए, फंड प्रबंधन विनियम, 2022
(ख) आईएफएससीए, वित्तीय उत्पाद

(v) अवसंरचना क्षेत्र में निम्नलिखित क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन आयोजित किए गए थे:

(क) विश्व बैंक और अखिल भारतीय प्रबंधन संघ के सहयोग से 'अवसंरचना वित्त और पीपीपी' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
(ख) पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवसंरचना के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में मेघालय राज्य सरकार द्वारा निवेश, अवसंरचना और पीपीपी पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

(vi) माननीय वित्त मंत्री ने इस महीने के दौरान निम्नलिखित बैठकों में भाग लिया:

(क) पारस्परिक हितों के मुद्दों और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए)/ द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) वार्ताओं के शीघ्र समापन पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय संसद की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मामलों की समिति के अध्यक्ष माननीय श्री बर्न्ड लैंगे के नेतृत्व में यूरोपीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक।
(ख) वैश्विक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता और आईएमएफसी में प्रमुख प्राथमिकताओं पर यूक्रेन-रूस संघर्ष के परिणामों पर चर्चा करने के लिए सुश्री नादिया केल्विनो, उपराष्ट्रपति और स्पेन की अर्थव्यवस्था और डिजिटलीकरण मंत्री और अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय समिति (आईएमएफसी) के अध्यक्ष के साथ एक आभासी बैठक।
(ग) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रबंध निदेशक के साथ द्विपक्षीय बैठक जिसमें माननीय वित्त मंत्री ने वैश्विक विकास मंदी और जिंसों की कीमतों में वृद्धि के बारे में चिंता व्यक्त की और इस बारे में बताया कि श्रीलंका में गतिशील आईएमएफ सहायता की आवश्यकता है जो बड़े पैमाने पर आर्थिक और ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है।

(घ) आईएमएफ ब्रेकफास्ट बैठक आयोजित की गई जिसमें माननीय वित्त मंत्री ने टीकाकरण के महत्व और टीकों और चिकित्सा उपकरणों के साथ सुभेद्य देशों को सहायता देने पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने महामारी के दौरान भी व्यापक संरचनात्मक सुधारों के अपने एजेंडे को जारी रखा है।
(ङ) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय समिति (आईएमएफसी) का एक समग्र सत्र आयोजित किया गया जिसमें माननीय वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि महामारी की लगातार लहरों की चुनौतियों के बावजूद, भारत ने प्रमुख संरचनात्मक सुधारों को लागू करना जारी रखा है और भारत एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है जिसने पेरिस प्रतिबद्धता पर अक्षरश: प्रदान की है और नेट-शून्य के मार्ग के लिए प्रतिबद्ध है।

(च) दूसरी जी-**20** वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक विश्व बैंक-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (डब्ल्यूबी-आईएमएफ) की वसंत बैठकों के दौरान वाशिंगटन डी.सी में इंडोनेशियाई जी **20** अध्यक्षता के तहत आयोजित की गई थी।

(छ) चीनी अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की पहली बैठक वर्चुअली आयोजित की गई थी।

(ज) 2022 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंत बैठकें और अन्य संबंधित बैठकें/कार्यक्रम वाशिंगटन डीसी और सैन-फ्रांसिस्को, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित किए गए थे।

(vii) माह के दौरान अन्य बैठकें:

(क) वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) की 8 वीं पुनर्भरण वार्ता की चौथी और अंतिम बैठक आयोजित की गई थी जिसमें योगदान करने वाले प्रतिभागी देशों ने 4.54 बिलियन अमरीकी डॉलर के बराबर की राशि का वादा किया था। भारत ने 18.75 मिलियन अमरीकी डॉलर के योगदान की घोषणा की।

(ख) बहुपक्षीय विकास बैंकों/द्विपक्षीय से वित्तपोषण की मांग करने वाले प्रस्तावों पर विचार करने के लिए आ.क.वि. जांच समिति की 127वीं बैठक आयोजित की गई थी।

(ग) असाधारण आईडीए -19 बैठक यूक्रेन और मोल्दोवा को वित्तीय सहायता प्रदान करने पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी।

(घ) वित्तीय स्थिरता दृष्टिकोण, ईएमई सुभेद्यताओं और जलवायु से संबंधित वित्तीय जोखिमों पर चर्चा करने के लिए वित्तीय स्थिरता बोर्ड द्वारा एक पूर्ण बैठक आयोजित की गई थी।

(ङ) नेशनल इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ट्रस्टी लिमिटेड की बोर्ड बैठक आयोजित की गई।

(च) राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना निधि लिमिटेड की निवेशक बैठक आयोजित की गई।

(छ) ब्रसेल्स, बेल्जियम में द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच चर्चा का दौर।

(ज) द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच 9वें दौर की वार्ता आयोजित की गई।

(झ) द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी)/निवेश अध्याय पर भारत और यूके के बीच तीसरे दौर की बातचीत नई दिल्ली में आयोजित की गई।

(ञ) जवाबदेही ढांचे और निवेश कार्यों की व्यापक समीक्षा पर विचार करने के लिए एआईआईबी निदेशक मंडल की बैठक।

(ट) आईएफएडी और रिट्रीट का कार्यकारी बोर्ड रोम, इटली में आयोजित किया गया था।

3. न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन

सूचना प्रस्तुत करने में आईसीटी के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

4. एसीसी के निर्देशों/आदेशों का पालन न करना

शून्य

5. माह के दौरान स्वीकृत एफडीआई प्रस्तावों का विवरण और विभाग में अनुमोदन की प्रतीक्षा में एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति:

स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	:	02
विभाग में स्वीकृति का इंतजार	:	08

तालिका 1: मुद्रास्फीति- सीपीआई-सी, डब्ल्यूपीआई (प्रतिशत में)			
	मार्च **2021**	फरवरी **2022**	मार्च **2022**
सीपीआई-सी	5.52	6.07	6.95
डब्ल्यूपीआई	7.89	13.11	14.55

स्रोत: सीपीआई-सी और ओईए के लिए एनएसओ, डब्ल्यूपीआई

टिप्पणी: पिछले दो महीनों के लिए डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति और पिछले एक महीने के लिए सीपीआई-सी मुद्रास्फीति अनंतिम है।

तालिका 2: मौद्रिक विकास	
वस्तु	**15.4.2022**
पॉलिसी रेपो रेट	4.0
10-वर्ष जी-सेक प्रति यील्ड	7.22
बैंक ऋण वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि #	11.2

टिप्पणी: # 8.4.2022 को के रूप में।

तालिका 3: पण्य वस्तु व्यापार प्रदर्शन (सीमा शुल्क के आधार पर) (अरब अमेरिकी डॉलर में)			
	निर्यात	**आयात**	**व्यापार संतुलन**
मार्च 2021	35.3	48.9	(-) 13.6
मार्च 2022	42.2	60.7	(-) 18.5

तालिका 4: सेवा व्यापार प्रदर्शन (यूएस $ बिलियन में) *			
मार्च 2022	22.5	13.2	19.4
स्रोत: वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग की दिनांक 13.4.2022 की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अनंतिम आंकड़े। * : अनुमानित।			

तालिका 5: भुगतान संतुलन		
मदें	**2020-21 (अप्रैल-दिसंबर)**	**2021-22 (अप्रैल-दिसंबर)**
चालू खाता शेष (अरब अमेरिकी डॉलर में)	32.1	(-) 26.5
चालू खाता शेष/जीडीपी (प्रतिशत)	1.7	(-) 1.2

स्रोत: भारतीय रिजर्व बैंक।	
तालिका 6: विदेशी मुद्रा भंडार (अमेरिकी डॉलर बिलियन में)	
मार्च, 2022 के अंत	607.3
15.4.2022	603.7
स्रोतःभारतीय रिजर्व बैंक	

तालिका 7: भारतीय रुपये की विनिमय दर (विदेशी मुद्रा की प्रति इकाई रुपया)

	अमेरिकी	**पाउंड**	**यूरो**	**100 जापानी येन**
27.4.2022	76.6414	96.4767	81.4509	59.8900
स्रोतः भारतीय रिजर्व बैंक				

तालिका 8: विदेशी ऋण (यूएस $ बिलियन)

	दिसंबर 2020 के अंत में पीआर (1)	**दिसंबर 2021 के अंत में पी (2)**	**प्रतिशत भिन्नता [(2/1)-1]*100**
प्रतिशत भिन्नता	568.3	614.9	8.2
स्रोत: दिसंबर **2021** के अंत में विदेशी ऋण पर तिमाही रिपोर्ट, डीईए।			

तालिका 9: औद्योगिक उत्पादन प्रतिशत में

मासिक वृद्धि (साल-दर-साल) प्रतिशत में

	दिसंबर 2020	**जनवरी** 2021	**फरवरी** 2021
औद्योगिक सूचकांक (आईआईपी)	2.2	(-) 0.6	(-) 3.2
	दिसम्बर 2021	**जनवरी** 2022	**फरवरी** 2022
	0.7	1.5	1.7

तालिका 10: आठ कोर उद्योग प्रतिशत में मासिक वृद्धि (साल-दर-साल) प्रतिशत में			
	जनवरी 2021	**फरवरी 2021**	**मार्च 2021**
आठ कोर उद्योग (आईसीआई)	1.3	(-) 3.3	12.6
	जनवरी 2022	**फरवरी 2022**	**मार्च 2022**
	4.0	6.0	4.3